(ग) यदि हां, तो उपर्युक्त निर्णय किस आधार पर दिया गया है ?

**शिक्षा तथा युवक सेवा मन्त्री (डा० बी० के० आर० बी० राव)** : (क) से (ग). विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है ।

**विवरण**

शिक्षा आयोग (1964-65) ने विश्वविद्यालय स्तर पर, भारतीय भाषाओं को अपना लेने की सिफारिश की थी । इस सिफारिश का अप्रैल, 1967 में हुए राज्य शिक्षा मन्त्रियों के सम्मेलन द्वारा तथा संसदीय शिक्षा समिति के सदस्यों द्वारा जुलाई, 1967 में अनुमोदन किया गया था । नई दिल्ली में 11-13 सितम्बर, 1967 को हुए उप-कुलपतियों का सम्मेलन भी शिक्षा के माध्यम को बदलने के बारे में, शिक्षा आयोग की सिफ़ारिश से आमतौर पर सहमत था और उसने सिफारिश की थी कि शिक्षा के माध्यम को बदलना, उच्च शिक्षा के सुधार को ओर एक बड़ा कदम होगा ।

उप-कुलपतियों के सम्मेलन द्वारा की गई सिफारिश का समर्थन करते हुए, भारत सरकार द्वारा अपनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी शिक्षा के स्तर को सुधारने, बुद्धिजीवी और जनता के बीच खाई को कम करने, सर्वसाधारण में ज्ञान का प्रसार करने तथा आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को तेज करने के आधार पर, विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षा के माध्यम के रूप में भारतीय भाषाओं को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संकल्प से मालूम होता है : "प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर प्रादेशिक भाषायें पहले ही से शिक्षा का माध्यम हैं । विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षा के माध्यम के रूप में उनको अपनाने के लिए तुरन्त कदम उठाने चाहिये ।"

शिक्षा के माध्यम में परिवर्तन लाने के लिए प्रादेशिक भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्य का निर्माण, एक अनिवार्य आवश्यकता है । तदनुसार, भारत सरकार ने चौथी पंचवर्षीय योजना में केन्द्र द्वारा प्रायोजित एक योजना शामिल की है, जिसके अधीन भारतीय भाषाओं में विश्वविद्यालय स्तर की पुस्तकों के निर्माण के लिए (1968-69 से शुरू हो कर) 6 वर्ष की अवधि के लिए एक करोड़ रुपये की अधिकतम सहायता दी जाएगी ।

स्तरों को बनाये रखने के लिए, परिवर्तन की प्रक्रिया उत्तरोत्तर और क्रमिक रूप से लागू होगी । इसके अतिरिक्त, यह परिवर्तन, फिलहाल प्रथम डिग्री स्तर तक के अध्ययन तक सीमित है । परिवर्तन की इस प्रक्रिया को दूसरा महत्वपूर्ण पहलू, प्रादेशिक माध्यम अपनाने के साथ-साथ, अंग्रेजी के अध्ययन को भी मजबूत बनाने की आवश्यकता है । वास्तव में, जैसा कि शिक्षा आयोग ने भी सिफारिश की है, अंग्रेजी एक महत्वपूर्ण पुस्तकालय भाषा है, जो सभी विषयों में संसार में बढ़ते हुए ज्ञान तक पहुँचने में महत्वपूर्ण योग देगी । प्रथम डिग्री स्तर तक शिक्षा के माध्यम को प्रादेशिक भाषाओं को अपनाने की नीति पर अमल करने के साथ-साथ एक भाषाई क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में अध्यापकों और विद्यार्थियों का आने-जाने के रास्ते में बाधाओं को कम से कम करने के लिए भी कदम उठाये जाएंगे । इस बात को ध्यान में रखते हुए कि शिक्षा के माध्यम के रूप में प्रादेशिक भाषाओं का परिवर्तन, फिलहाल केवल प्रथम डिग्री स्तर तक लागू होगा, शिक्षा के उत्तर-स्नातक तथा उच्च स्तर पर विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के आने जाने पर कोई प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है । इसके अतिरिक्त अखिल भारतीय अथवा क्षेत्रीय (राज्य स्तर पर नहीं) स्तरों पर कार्य करने वाली विशिष्ट संस्थाओं और केन्द्रीय संस्थाओं को इस योजना में प्रादेशिक भाषाओं को शिक्षा के माध्यम के रूप में अपनाने के लिये, शामिल नहीं किया गया है ।

**Excavation Work in Koveripoompattinam**

8998. **SHRI SUBRAVELU** : Will the Minister of EDUCATION AND YOUTH SERVICES be pleased to state :

(a) whether it is a fact that excavation

work has been done in Koveripoompattinam in Tamil Nadu ;

(b) if so, the extent of land acquired for the purpose from the State Government and private individuals ;

(c) if acquired from individuals whether any compensation has been paid ; and

(d) the other details thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (SHRIMATI JAHANARA JAIPAL SINGH) : (a) Yes, Sir.

(b) One acre of land and four small houses were acquired from private individuals for the purpose.

(c) Yes, Sir, compensation has been paid.

(d) The land and the houses were acquired at a cost of Rs. 12,535 (Rs. 3,135 for the land Rs. 9,400 for the houses, etc.) through the Land Acquisition Officers. A sum of Rs. 1,800 has also been spent on account of crop compensation for three years.

**Maintaining C. R. P. in States**

8999. SHRI VALMIKI CHOUDHARY: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the question of maintaining the Central Reserve Police in the States was discussed in the meeting of Chief Ministers held in Delhi in April, 1969 ;

(b) if so, the stand taken by the Chief Ministers of West Bengal and of other States in this regard ; and

(c) the decisions arrived at as a result of tht said discussion ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

**दिल्ली में उपकुलपतियों का सम्मेलन**

9000. **श्री बाल्मीकि चौधरी :**
**श्री रा० कृ० सिंह :**

क्या शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नई दिल्ली में हाल ही में विश्व-विद्यालयों में उप-कुलपतियों का एक सम्मेलन हुआ था ;

(ख) यदि हाँ, तो उसमें विश्व-विद्यालय की किन-किन समस्याओं के बारे में चर्चा की गई थी तथा उनके क्या हल निकाले गये ; और

(ग) उपर्युक्त सम्मेलन में क्या-क्या निर्णय किये गये तथा उन पर क्या कार्यवाही की जा रही है ?

**शिक्षा तथा युवक सेवा मन्त्री (डा० वी० के० आर० वी० राव)** : (क) जी हां । विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों का एक सम्मेलन 21 से 23 अप्रैल, 1969 तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया ।

(ख) और (ग). सम्मेलन में किए गए निर्णयों का एक विवरण सभा-पटल पर रखा गया है । [**पुस्तकालय में रखा गया । देखिये संख्या** LT-1067/69] इनकी जांच हो रही है ।

**नेफा में विदेशी धर्म-प्रचारक**

9001. **श्री बाल्मीकी चौधरी** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नेफा में इस समय कितने विदेशी धर्म प्रचारक अब भी हैं ; और

(ख) उनके स्थान पर भारतीय धर्म प्रचारक काम करें इसके लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल)** : (क) इस समय नेफा में कोई विदेशी धर्म-प्रचारक नहीं है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

**Development of Tourist Centres in Maharashtra**

9002. SHRI DEORAO PATIL : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government have some specific plan for the development of tourist centres in Maharashtra ;